Language Code : **16**

इस पुस्तिका में **16** मुद्रित पृष्ठ हैं।
This booklet contains **16** Printed pages.

SED-24-I

प्रश्न-पत्र-I / PAPER-I
संस्कृत भाषा परिशिष्ट
Sanskrit Language Supplement
भाग-IV & V / PART-IV & V

मुख्य परीक्षा पुस्तिका संख्या / Main Test Booklet No.

मुख्य परीक्षा पुस्तिका कोड / Main Test Booklet Code
I

इस परीक्षा पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए।
Do not open this Test Booklet until you are asked to do so.
इस परीक्षा पुस्तिका के पिछले आवरण (पृष्ठ 15 व 16) पर दिए निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।
Read carefully the Instructions on the Back Cover (Page 15 & 16) of this Test Booklet.

संस्कृत में निर्देशों के लिए इस पुस्तिका का पृष्ठ 2 देखें। / FOR INSTRUCTIONS IN SANSKRIT SEE PAGE 2 OF THIS BOOKLET.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. यह पुस्तिका मुख्य परीक्षा पुस्तिका की एक परिशिष्ट है, उन परीक्षार्थियों के लिए जो **या** तो भाग IV (भाषा I) **या** भाग V (भाषा II) **संस्कृत** भाषा में देना चाहते हैं, लेकिन **दोनों नहीं**।
2. परीक्षार्थी भाग I एवं भाग II **या** III के उत्तर मुख्य परीक्षा पुस्तिका से दें और भाग IV व V के उत्तर उनके द्वारा चुनी भाषाओं से।
3. अंग्रेज़ी व हिन्दी भाषा पर प्रश्न मुख्य परीक्षा पुस्तिका में भाग IV व भाग V के अन्तर्गत दिए गए हैं। भाषा परिशिष्टों को आप अलग से माँग सकते हैं।
4. इस पृष्ठ पर विवरण अंकित करने एवं OMR उत्तर पत्र पर निशान लगाने के लिए **केवल काले/नीले बॉल पॉइंट पेन** का प्रयोग करें।
5. इस भाषा पुस्तिका का **संकेत** है **I**। यह सुनिश्चित कर लें कि इस भाषा परिशिष्ट पुस्तिका का संकेत, OMR उत्तर पत्र के **पृष्ठ-2** एवं मुख्य परीक्षा पुस्तिका पर छपे संकेत से मिलता है। अगर यह भिन्न हो, तो परीक्षार्थी दूसरी भाषा परिशिष्ट परीक्षा पुस्तिका लेने के लिए निरीक्षक को तुरन्त अवगत कराएँ।
6. इस परीक्षा पुस्तिका में **दो** भाग IV और V हैं, जिनमें **60** वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं, जो प्रत्येक 1 अंक का है :
   भाग-IV : भाषा-I (संस्कृत) (प्र. 91 से प्र. 120)
   भाग-V : भाषा-II (संस्कृत) (प्र. 121 से प्र. 150)
7. भाग-IV में भाषा-I के लिए 30 प्रश्न और भाग-V में भाषा-II के लिए 30 प्रश्न दिए गए हैं। इस परीक्षा पुस्तिका में केवल संस्कृत भाषा से संबंधित प्रश्न दिए गए हैं। **यदि भाषा-I और/या भाषा-II में आपके द्वारा चुनी गई भाषा(एँ) संस्कृत के अलावा है तो कृपया उस भाषा वाली परीक्षा पुस्तिका माँग लीजिए। जिन भाषाओं के प्रश्नों के उत्तर आप दे रहे हैं वह आवेदन पत्र में चुनी गई भाषाओं से अवश्य मेल खानी चाहिए।**
8. **परीक्षार्थी भाग-V (भाषा-II) के लिए, भाषा सूची से ऐसी भाषा चुनें जो उनके द्वारा भाषा-I (भाग-IV) में चुनी गई भाषा से भिन्न हो।**
9. रफ कार्य परीक्षा पुस्तिका में इस प्रयोजन के लिए दी गई खाली जगह पर ही करें।
10. सभी उत्तर केवल OMR उत्तर पत्र पर ही अंकित करें। अपने उत्तर ध्यानपूर्वक अंकित करें। उत्तर बदलने हेतु श्वेत रंजक का प्रयोग निषिद्ध है।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. This booklet is a supplement to the Main Test Booklet for those candidates who wish to answer **EITHER** Part IV (Language I) **OR** Part V (Language II) in **SANSKRIT** language, but **NOT BOTH**.
2. Candidates are required to answer Part I and Part II **OR** III from the Main Test Booklet and Parts IV and V from the languages chosen by them.
3. Questions on English and Hindi languages for Part IV and Part V have been given in the Main Test Booklet. Language Supplements can be asked for separately.
4. Use **Black/Blue Ball Point Pen only** for writing particulars on this page/marking responses in the OMR Answer Sheet.
5. The CODE for this Language Booklet is **I**. Make sure that the CODE printed on **Side-2** of the OMR Answer Sheet and on your Main Test Booklet is the same as that on this Language Supplement Test Booklet. In case of discrepancy, the candidate should immediately report the matter to the Invigilator for replacement of the Language Supplement Test Booklet.
6. This Test Booklet has **two** Parts, IV and V, consisting of **60** Objective Type Questions, each carrying 1 mark :
   Part-IV : Language-I (Sanskrit) (Q. 91 to Q. 120)
   Part-V : Language-II (Sanskrit) (Q. 121 to Q. 150)
7. Part-IV contains 30 questions for Language-I and Part-V contains 30 questions for Language-II. In this Test Booklet, only questions pertaining to Sanskrit language have been given. **In case the language/s you have opted for as Language-I and/or Language-II is a Language other than Sanskrit, please ask for a Test Booklet that contains questions on that language. The language being answered must tally with the languages opted for in your Application Form.**
8. **Candidates are required to attempt questions in Part-V (Language-II) in a language other than the one chosen as Language-I (in Part-IV) from the list of languages.**
9. Rough work should be done only in the space provided in the Test Booklet for the same.
10. The answers are to be recorded on the OMR Answer Sheet only. Mark your responses carefully. No whitener is allowed for changing answers.

परीक्षार्थी का नाम (बड़े अक्षरों में) : ____________________
Name of the Candidate (in Capitals) :

अनुक्रमांक : (अंकों में) / Roll Number : in figures ____________________
: शब्दों में / in words ____________________

परीक्षा केन्द्र (बड़े अक्षरों में) : ____________________
Centre of Examination (in Capitals) :

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर : ____________________ निरीक्षक के हस्ताक्षर : ____________________
Candidate's Signature : Invigilator's Signature :

Facsimile Signature Stamp of
Centre Superintendent : ____________________

Language Code : **16**

अस्यां पुस्तिकायां 16 पृष्ठानि सन्ति।

SED-24-I

प्रश्नपत्रम् I

संस्कृत-भाषा-परिशिष्टम्

भागः IV च V

परीक्षा-पुस्तिका-संकेतकम्

I

यावन्न कथ्येत तावत् इयं परीक्षा-पुस्तिका न अनावरणीया।

अस्याः परीक्षा-पुस्तिकायाः पृष्ठावरणयोः (पृष्ठे 15 एवं 16) प्रदत्ताः निर्देशाः ध्यानपूर्वकं पठनीयाः।

परीक्षार्थिभ्यो निर्देशाः

1. इयं पुस्तिका मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकायाः एकं परिशिष्टम् तेभ्यः परीक्षार्थिभ्यः अस्ति ये IV (भाषा I) भागस्य **अथवा** V (भाषा II) भागस्य परीक्षां **संस्कृत**भाषया दातुमिच्छन्ति, **न** तु **द्वयोः भागयोः**।
2. परीक्षार्थिभिः I, II, III भागानाम् उत्तराणि मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकातः देयानि अपि च IV तथा V भागानाम् उत्तराणि तैः चिताभिः भाषाभिः।
3. आंग्लभाषायां हिन्दीभाषायां च प्रश्नाः मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकायां IV भागे तथा V भागे च प्रदत्ताः। भाषा-परिशिष्टानि भवद्भिः पृथक्तया याचितुं शक्यन्ते।
4. अस्मिन्पृष्ठे च विवरणम् अङ्कयितुम् OMR उत्तरपत्रे च चिह्नं अङ्कयितुं **केवलं नील (Blue/Black)-बाल-पाइन्ट-लेखन्याः** प्रयोगः अनुमतः।
5. अस्याः भाषा-पुस्तिकायाः संकेतकं **I** वर्तते। एतच्च निश्चेतव्यं यदस्याः भाषा-परिशिष्ट-पुस्तिकायाः संकेतकम् OMR उत्तरपत्रस्य **पृष्ठ-2** उपरि प्रकाशितेन संकेतेन साम्यं भजति। एतदपि निश्चेतव्यं यत् मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकासंख्या उत्तरपत्रसंख्या च परस्परं साम्यं भजेते। यदि चात्र किमपि अन्तरमस्ति तदा छात्रेण निरीक्षकमहाभागः सम्प्रार्थनीयः यत्स द्वितीयाम् भाषा-परिशिष्ट-परीक्षापुस्तिकाम् ददातु इति।
6. अस्यां परीक्षापुस्तिकायाम् **द्वौ** भागौ स्तः - IV तथा V, एतेषु **60** वस्तुनिष्ठाः प्रश्नाः सन्ति, प्रत्येकं च एकमङ्कं धारयति :

   भागः IV : भाषा I - (संस्कृत) *(प्रश्न संख्या 91 तः 120 पर्यन्तम्)*

   भागः V : भाषा II - (संस्कृत) *(प्रश्न संख्या 121 तः 150 पर्यन्तम्)*
7. IV भाषा I भागे 30 प्रश्नाः, V भाषा II भागे च 30 प्रश्नाः सन्ति। अस्यां च परीक्षापुस्तिकायाम् केवलम् संस्कृतभाषया सम्बद्धाः प्रश्नाः सन्ति। **यदि भाषा I उत वा भाषा II इत्येतयोः भवता संस्कृत-अतिरिक्ते भाषे चिते, तदा तद्भाषासम्बद्धा परीक्षापुस्तिका याचनीया। यस्याः अपि भाषायाः प्रश्नानाम् उत्तराणि भवता प्रदीयन्ते, सा भाषा नूनम् आवेदनपत्रे अभीष्टभाषाभिः सह संवदेत्।**
8. **परीक्षार्थिभिः भागः V (भाषा II) कृते, भाषातालिकातः सा भाषा चयनीया या तैः भाषा I (भागे IV) चितायाः अभीष्टभाषातः भिन्ना स्यात्।**
9. रफ़-कार्यं परीक्षापुस्तिकायाम् एतत्प्रयोजनार्थं निर्धारितस्थाने एव कार्यम्।
10. सर्वाणि उत्तराणि OMR उत्तरपुस्तिकायामेव अङ्कनीयानि। सावधानमनसा चैतद् अङ्कनीयम्। उत्तरे परिवर्तनार्थं श्वेत-रञ्जकस्य प्रयोगो निषिद्धः।

परीक्षार्थिनः नाम : ______________________

अनुक्रमाङ्कः : अङ्केषु : ______________________

: शब्देषु : ______________________

परीक्षाकेन्द्रम् : ______________________

परीक्षार्थिनः हस्ताक्षरम् : ______________ निरीक्षकस्य हस्ताक्षरम् : ______________

Facsimile signature stamp of
Centre Superintendent ______________________

अभ्यर्थिनः **चतुर्थभागस्य** **Part-IV** प्रश्नानाम् **(प्र.सं. 91-120)** उत्तरं दद्युः, यदि तैः **संस्कृतं प्रथमभाषा**रूपेण **Language-I** चितम्।

Candidates should attempt the questions from **Part-IV (Q.No. 91-120)**, if they have opted **SANSKRIT** as **Language-I** only.

PART–IV

LANGUAGE–I

SANSKRIT

> अभ्यर्थिनः **चतुर्थभागस्य (Part-IV)** प्रश्नानाम् **(प्र.सं. 91-120)** उत्तरं दद्युः, यदि तैः **संस्कृतं प्रथमभाषा**रूपेण **(Language-I)** चितम्।

अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रश्नानां (91 - 99) विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमं उत्तरं चिनुत।

परेषामुपकारः परोपकारः कथ्यते। यः मानवः स्वार्थं विना परेषामुपकारं करोति, सः परोपकारीति कथ्यते। तस्य तच्चकार्यं परोपकार इति नाम्ना कथ्यते। अयं गुणः सर्वजनेषु न दृश्यते। परन्तु ये स्वजीवने उन्नतिं कर्तुमिच्छन्ति, ते परोपकारतुल्य–गुणानवलम्ब्य एव उन्नतिं कुर्वन्ति इति केषाञ्चित् मतम्।

अत एव केचित् पुरुषाः परोपकाराय एव कूपं खानयन्ति उद्यानम् आरोपयन्ति धर्मशालां पाठशालां च निर्मापयन्ति। ते सर्वजनहिते रताः भवन्ति। न केवलं चेतनाः अपितु अचेतनाः अपि परोपकाराय यतन्ते। मेघाः परोपकारायैव स्वजलं वर्षन्ति, नद्यः परोपकारायैव वहन्ति। वृक्षाः परोपकारायैव फलन्ति। यथोक्तम् –

परोपकारेणैव मानवेषु समाजसेवायाः, देशसेवायाः दीनोद्धरण–भावनादिसद्गुणानां विकासो भवति। अस्मिन् जगति ये पुरुषाः परोपकार–परायाः भवन्ति, ते स्वधनं, पुत्रान्, दारान्, स्वशरीरमपि लीलयैव प्रददति। ते परार्थमेव सर्वदा चिन्तयन्ति साधयन्ति च; परन्तु स्वार्थं कदापि न समीहन्ते। यथा कालिदासेनोक्तम् –

'परहितनिरतानामादरो नात्मकार्ये'

महाराजशिविः स्वमांसं निकृन्त्य श्येनाय, परोपकरायैव प्रादात्। महर्षिः दधीचिः देवानां हिताय स्वीयानि अस्थीनि सुप्रसन्नः इन्द्राय ददौ। महर्षिः दयानन्दः, महात्मा गान्धी, नेहरूमहोदयः इत्यादयः महापुरुषाः स्वदेशस्य सम्मानादिरक्षणार्थम् अत्यधिकं यतवन्तः। तेषु अधिकाः स्वप्राणानपि समर्पितवन्तः।

एतद्विपरीतं संसारे केचन पुरुषाः स्वार्थाय परान् निघ्नन्ति। ते मनुष्यरूपेण राक्षसाः इव भुवस्तले। परन्तु ये निरर्थकं परार्थं विनाशयन्ति, ते असुरेभ्यः अपि हीनतराः।

अतः अस्माभिः सर्वदा परोपकारपरायणैः भवितव्यम्। यथोक्तम् –

''धनानि जीवितं चैव परार्थे प्राज्ञ उत्सृजेत्।
सन्निमित्ते वरं त्यागो विनाशे नियते सति।।''

91. केचित् पुरुषाः परोपकाराय कस्य निर्माणं न कुर्वन्ति?
(1) धर्मशालाः (2) पाठशाला (3) कूपाः (4) कारागारः

92. के जनाः सर्वजनहिते रताः भवन्ति?
(1) कृषकाः (2) अध्यापकाः (3) परोपकारिणः (4) ऋषयः

93. देवानां हिताय कः स्वीयानि अस्थीनि ददौ?
(1) महर्षि दधीचिः (2) ऋषिः कण्वः (3) वाल्मीकिः (4) देवराजः इन्द्रः

94. परोपकारेण जनेषु कस्य गुणस्य विकासो न भवति?
(1) देशसेवायाः (2) दीनोद्धरणम् (3) समाजसेवायाः (4) क्रोधस्य

95. कः गुणः सर्वजनेषु न दृश्यते?
(1) सौम्यता (2) विश्रम्भः (3) सौन्दर्यम् (4) परोपकारः

96. मेघाः परोपकारायैव ___________ वर्षन्ति। अत्र रिक्तस्थानं पूरयत।
(1) जन्तून् (2) स्वजलम् (3) तडितम् (4) सिकताः

97. 'उन्नतिः' – इत्यस्मिन् पदे कः प्रत्ययः वर्तते ?
(1) मतुप् (2) तरप् (3) क्तिन् (4) अच्

98. संसारे केचन पुरुषाः __________ परान् निघ्नन्ति। अत्र उपयुक्तपदेन रिक्तस्थानं पूरयत।
(1) जनकल्याणाय (2) आनन्दाय (3) स्वार्थाय (4) परसेवायै

99. निकृन्त्य – इत्यस्मिन् पदे कः प्रत्ययः वर्तते ?
(1) ल्यप् (2) तव्यत् (3) ण्यत् (4) यत्

अधोलिखितान् पद्यान् पठित्वा प्रश्नानां (100 - 105) विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमं उत्तरं चिनुत।

उद्योगे नास्ति दारिद्र्यं, जपतो नास्ति पातकम्।
मौनेन कलहो नास्ति, नास्ति जागरिते भयम्।।
किं कुलेन विशालेन विद्याहीनस्य देहिनः।
अकुलीनोऽपि विद्यावान्देवैरपि स पूज्यते।।
परोक्षे कार्यहन्तारं प्रत्यक्षे प्रियवादिनम्।
वर्जयेत् तादृश्यं मित्रं विषकुम्भं पयोमुखम्।।
यस्मिन् देशे न सम्मानो न वृत्तिर्न च बान्धवाः।
न च विद्यागमोऽप्यस्ति न तत्र दिवसं वसेत्।।
आपत्काले तु सम्प्राप्ते, यन्मित्रं मित्रमेव तत्।
वृद्धिकाले तु संप्राप्ते, दुर्जनोऽपि सुहृद् भवेत्।।

100. अधोलिखितेषु किं पदं सप्तमीविभक्त्यन्तं न अस्ति ?
(1) परोक्षे (2) वृद्धिकाले (3) सम्प्राप्ते (4) विशालेन

101. पद्यानुसारं उद्योगे किं न वर्तते ?
(1) दारिद्र्यम् (2) शान्तिः (3) निद्रा (4) सफलता

102. अकुलीनोऽपि कः जनः देवैः पूज्यते ?
(1) विद्यावान् (2) चिकित्सकः (3) मन्त्री (4) शासकः

103. वञ्चकमित्रस्य तुलना केन सह कृता ?
(1) पयोमुखं विषकुम्भम् (2) चौरः (3) स्थगः (4) लोमशः

104. वृद्धिकाले सम्प्राप्ते कः सुहृद् भवति ?
(1) बान्धवः (2) प्रतिवेशी (3) दुर्जनः (4) अध्यापकः

105. 'विद्यागमोऽप्यस्ति' इत्यस्य पदस्य समुचित – सन्धिविच्छेदः कुरुत।
(1) विद्या + गमोऽप्यस्ति (2) विद्या + आगमः + अपि + अस्ति
(3) विद्यागम + अप्यस्ति (4) विद्याग + मोऽप्यस्ति

106. फलप्रदशब्दावलिः (Productive Vocabulary) किं भवति ?
(1) शब्दाः स्पष्टाः (Noticed) भवन्ति यदा वयं पंक्तिभ्यः परः पठामः
(2) शब्दाः येषां प्रयोगः वयं लेखने सम्भाषणे च कुर्मः
(3) शब्दाः ये पाठकाय नवीनाः सन्ति
(4) ते शब्दाः ये तथैव ज्ञायन्ते यथा ते श्रुताः

107. अधोलिखितेषु कौशलेषु किं सावबोध-पठनस्य सूचकः (Mark) न मन्यते ?
(1) आगामिविषयवस्तुनः पूर्वानुमानम्
(2) विचाराणां घटनाक्रमस्य च व्यवस्था (Organizing) आकलनं च
(3) अधुनापर्यन्तपठितपाठस्य मानसिकसंक्षेपणम्
(4) प्रत्येकवर्णे/वर्णमालायां च एकाग्रता (Focus)

108. एका अध्यापिका स्वछात्रान् चिन्तयितुं निर्दिशति यत् तथा दत्तस्य एकस्य अनुभवाधारितप्रश्नस्य उत्तरं तैः कथं लिखितं, अपि च उत्तरलेखनसमये ते किं कथं च चिन्तयन्ति स्म। एतत् कस्य उदाहरणं अस्ति ?
(1) रूपकः (Metaphor)
(2) अधिभाषिकतावादः (Metalingualism)
(3) अधिसंकेतात्मकता (Metasemiotics)
(4) अधिसंज्ञानम् (Metacognition)

109. द्वितीय भाषाध्यापने अधोलिखितेषु किं व्याकरणानुवादविधिः न अस्ति ?
(1) द्वितीयभाषायाः व्याकरणनियमानां अधिगमः (Learning)
(2) द्वितीयभाषया प्रत्यक्षसम्प्रेषणं, तदनन्तरं द्वयोः भाषयोः व्याकरणनियमानां तुलना
(3) भाषायाः कार्यात् (Function) तस्याः स्वरूपे (from) अधिकतरं केन्द्रीकरणं (focus)
(4) प्रथमद्वितीयभाषयोः व्याकरणनियमानां तुलना

110. मानवभाषायाः अधोलिखितेषु कया विशेषतया, मानवाः तेषां वस्तूनां विषयेऽपि वक्तुं शक्नुवन्ति याः तात्कालिकसमये स्थाने च न वर्तन्ते ?
(1) यादृच्छिकता (Arbitrariness)
(2) संरचनात्मक-स्वतन्त्रता (Structural Independence)
(3) विवेकशीलता (Discretness)
(4) विस्थापनम् (Displacement)

111. अधोलिखितेषु किं कथनं भाषाग्रहणयन्त्रस्य (LAD) विचारेण न व्याख्यातम् ?
(1) बाला कथं चतुर्पञ्चवर्षस्य अल्पावधौ एव भाषाधिगमे समर्थाः भवन्ति
(2) बालाः कथं प्रतीकात्मकभाषां शिक्षन्ते
(3) किं कारणं यत् बालकानां भाषिक निर्गमः (Output) तैः प्राप्तनिवेशात् (Input) अधिकतरं वर्तते।
(4) बालाः केन प्रकारेण तेषां प्रथमभाषां शिक्षन्ते

112. भाषा-उपभाषाविषये अधोलिखितेषु किं भाषिकतादृष्ट्या समीचीनं वर्तते ?
(1) भाषाः उपभाषाः च भाषिकता दृष्ट्या भिन्नाः भवन्ति परन्तु भौगोलिकरूपेण समानाः सन्ति
(2) भाषाणां लिपिः भवति किन्तु उपभाषाणां च लिपिः न वर्तते
(3) भाषा-उपभाषा-मध्ये काऽपि स्पष्टभिन्नता न अस्ति
(4) भाषाणां लिखितसाहित्यं वर्तते किन्तु उपभाषाः मौखिकपरम्परायामेव आधारिताः भवन्ति

113. वर्णानां वर्णमालायाः स्थाने शब्दानां लघुकथापाठस्य च कौशलप्राप्तिः अधोलिखितेषु केन कथनेन न समर्थ्यते ?
(1) शब्दाः पाठाः च सार्थकसंयोगान् चरयन्ति यं वर्णाः कर्तुं न शक्नुवन्ति
(2) शब्दाः पाठाः च अधिकतराः रुचिकराः भवन्ति किन्तु वर्णाः न सन्ति
(3) पृथक्वर्णान् कण्ठस्थीकर्तुं शब्दानां तुलनायां अधिकं कठिनं भवन्ति
(4) प्राथमिकपाठकाः बृहदेककेषु (Bigger Units) लघुएककतुलनायां (Small units) श्रेष्ठरूपेण संकेन्द्रिताः भवितुं शक्नुवन्ति।

114. मातृभाषाधारितबहुभाषिकतावाद: समर्थनं करोति यत् __________

(1) सर्वे बालका: राज्यभाषायां तेषां विद्यालयीयशिक्षां आरभन्ते

(2) सर्वे बालका: आंग्लभाषामाध्यमेन, गृहभाषायां च विद्यालयीयशिक्षां आरभन्ते

(3) सर्वे बालका: हिन्दीभाषां प्रथमभाषारूपेण पठन्ति

(4) सर्वे बालका: मातृभाषायां द्वितीयभाषायां वा तेषां विद्यालयीयशिक्षां आरभन्ते

115. अधोलिखितेषु किं क्रेशनस्य (Krashen's) परिकल्पनायां व्यागौत्स्कीमहोदयस्य ZDP इत्यस्यां समानं वर्तते ?

(1) अनुवीक्षण-परिकल्पना (Monitor Hypothesis)

(2) नैसर्गिकव्यवस्था-परिकल्पना (Natural Order Hypothesis)

(3) प्रभावशालि-फिल्टर-परिकल्पना (Affective Filter Hypothesis)

(4) निविष्ट-परिकल्पना (Input Hypothesis)

116. कमिनस्य (Cummin's) अन्योन्याश्रयपरिकल्पनानुसारं (Interdepedence Hypothesis) अधोलिखितेषु किं अन्योन्याश्रित: वर्तते –

(1) प्रथमभाषायां द्वितीयभाषायां च संज्ञानात्मक-शैक्षणिक-प्रावीण्यम् (Cognitive academic proficiency)

(2) द्वितीयभाषायां पठनं लेखनं च

(3) प्रथमभाषायां द्वितीयभाषायां च मूलभूत-अन्तर्वैयक्तिक-कौशलम्

(4) द्वितीयभाषाया: अवबोध: परिणाम: (Production) च

117. पाठावबोधस्य पद्धतिविषये, अधोलिखितेषु अशुद्धं कथनं चिनुत।

(1) द्रुतपठनं (Skimming) अधिकतया गहनपठनविषये वर्तते क्रमवीक्षणं च शीघ्रतया (Cursory) पठनं भवति

(2) द्रुतपठनं पुनर्विचारार्थं (Reviewing) उपयुक्तं भवति क्रमवीक्षणं च विशेषप्रश्नानां उत्तराणि दातुं सहायकं भवति

(3) द्रुतपठनं क्रमवीक्षणं च द्वे एव पठनसमये तीव्रअक्षिगतिं अपेक्षेते

(4) द्रुतपठनं पाठस्य द्रुतगत्या पठनं अस्ति यावत् क्रमवीक्षणं (Scanning) विशिष्टतथ्यानां अन्वेषणं वर्तते

118. यदा बाला: तेषां परिवेशे दृश्यमानानां वस्तु-घटना-तथ्यानां विषये प्रष्टुं भाषां प्रयोक्तुं आरभन्ते, भाषाया: किं क्रिया अन्येभ्य: अधिकतरं प्रयोज्यते ?

(1) नियमनात्मक: (Regulatory) (2) सूचनात्मक: (Informative)

(3) स्वत: शोधात्मक: (Heuristic) (4) कल्पनात्मक: (Imaginative)

119. एकस्मिन् भाषासमुदाये, एतत् दृष्टं यत् वक्तृणां द्वयो: विभिन्न-सामाजिक-आर्थिक-वर्गयो: 'S' इत्यस्य वर्णस्य उच्चारणं भिन्नरूपेण क्रियते, एतत् कस्य उदाहरणम् अस्ति –

(1) एक: व्यावहारिकपरिवर्ती (Pragmatic Variable)

(2) एक: सामाजिकसांस्कृतिकपरिवर्ती (Variable)

(3) एक: सामाजिक-मनोवैज्ञानिकपरिवर्ती (Variable)

(4) सामाजिक-भाषिक परिवर्ती (Variable)

120. वीरा एका सप्तमासीया शिशु: अस्ति। सा अधुना स्वरव्यञ्जनयुक्तोच्चारणं करोति। सा अधोलिखितेषु कस्य प्रयोगेन सम्प्रेषणं करोति ?

(1) त्रुटितवाक् (Babbling) (2) अव्यक्तवाक् (Cooing)

(3) भाषिकवाक् (Linguistic Speech) (4) स्वनिम (Phoneme)

अभ्यर्थिनः **पञ्चमभागस्य Part-V** प्रश्नानाम् **(प्र.सं. 121-150)** उत्तरं दद्युः, यदि तैः **संस्कृतं द्वितीयभाषा Language-II** रूपेण चितम्।

Candidates should attempt the questions from **Part-V (Q.No. 121-150)**, if they have opted **SANSKRIT** as **Language-II** only.

PART–V

LANGUAGE–II

SANSKRIT

अभ्यर्थिनः **पञ्चमभागस्य (Part-V)** प्रश्नानाम् **(प्र.सं. 121-150)** उत्तरं दद्युः, यदि तैः **संस्कृतं द्वितीयभाषा (Language-II)** रूपेण चितम्।

अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रश्नानां (121-128) विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमं उत्तरं चिनुत।

एकस्मिन् ग्रामे सत्यप्रियः नामकः एकः काष्ठिकः वसति स्म। सः प्रत्यहं वनं गत्वा कुठारेण काष्ठानि छिन्दति स्म। काष्ठानि छित्त्वा तानि काष्ठानि नगरे विक्रीय सः स्वजीविकोपार्जनं करोति स्म। एवं सः सुखेन जीवनं नयति स्म।

वने वृक्षाणां समीपे एव एका नदी प्रवहति स्म। एकस्मिन् दिने यदा सत्यप्रियः कुठारेण काष्ठानि छिन्दति स्म, तस्य हस्तात् भ्रष्टः कुठारः जले अपतत्। कुठारेण बिना सः काष्ठानि छेत्तुम् असमर्थः अभवत्। एवं सः उच्चैः विलापं कर्तुमारभत। तस्य क्रन्दनं श्रुत्वा वरुणदेवः नद्याः बहिर् आगत्य तमपृच्छत्–''भद्र! कस्मात् रोदिषि?''

ततः सत्यप्रियः सर्वं वृत्तान्तं तस्मै निवेदितवान्। वरुणदेवः तस्य परीक्षां कर्तुम् ऐच्छत। अतः सः जले निमज्जितवान्। शीघ्रमेव हस्ते सुवर्णकुठारम् आनीय सः बहिरागच्छत् सत्यप्रियम् अपृच्छत् च – ''किमेषः तव कुठारः? गृह्यतम्।''

सः पुनः उच्चैः रोदितुमारभत अवदत् च – ''नास्ति एषः मम। अहन्तु स्वकीयमेव कुठारम् इच्छामि।''

ततः वरुणदेवः पुनः जले निमज्जितवान्। अधुना सः रजतकुठारेण साकं बहिरागच्छत्। तं प्रदर्श्य सः पूर्ववत् अपृच्छत् – ''अयमस्ति तव कुठारः, गृह्यताम।''

किन्तु सत्यप्रियः सत्यवादी आसीत्। सः शीघ्रमवदत् – ''अयमपि मम कुठारः नास्ति।'' एतदाकर्ण्य पुनरपि वरुणदेवः जले निमज्जितः। अधुना सः लौहकुठारेण सह बहिर् आगत्य तं काष्ठिकमपृच्छत् – ''किमेषः तव कुठारः?''

हर्षितः सत्यप्रियः झटिति उवाच – ''आम्, आम्। अयमेवास्ति मम कुठारः प्रभो।'' वरुणदेवस्य चरणौ स्पृष्ट्वा, स्वकुठारं गृहीत्वा च सः काष्ठानि छेत्तुम् अचलत्। तस्य सत्यनिष्ठां दृष्ट्वा वरुणदेवः अतीव प्रसन्नोऽभवत् अतस्तेन देवेन त्रयः एव कुठाराः तस्मै काष्ठिकाय प्रदत्ता। एवमुचितं कथ्यते –

सत्यमेव जयते।

121. सत्यप्रियः वरुणदेवाय किं निवेदितवान्?

(1) वृत्तान्तम् (2) प्रार्थनाम् (3) गीतम् (4) कथाम्

122. वरुणदेवः सर्वप्रथमं कीदृशं कुठारं आनीय आगच्छत्?

(1) ताम्रकुठारम् (2) सुवर्णकुठारम् (3) कांस्यकुठारम् (4) लौहकुठारम्

123. 'नास्ति एषः मम।' इति कः कम् कथयति?

(1) वरुणदेवः काष्ठिकम्
(2) काष्ठिकः वरुणदेवम्
(3) काष्ठिकः कुमारम्
(4) कुठारः वरुणदेवम्

124. वरुणदेव: काष्ठिकस्य किं कर्तुं ऐच्छत्?

(1) संवर्धनम् (2) कल्याणम् (3) परीक्षाम् (4) हानिम्

125. सत्यप्रिय: नामक: काष्ठिक: कीदृश: व्यक्ति: आसीत्?

(1) दुष्ट: (2) लोभी (3) कृपण: (4) सत्यवादी

126. एवं स: सुखेन __________ नयति स्म-अत्र रिक्तस्थानं पूरयत।

(1) जीवनम् (2) विद्याम् (3) नौकाम् (4) वायुयानम्

127. बहिरागच्छत् - इत्यस्मिन पदे क: सन्धि: वर्तते?

(1) अयादिसन्धि: (2) विसर्गसन्धि: (3) वृद्धिसन्धि: (4) गुणसन्धि:

128. अधोलिखितेषु पदेषु किं ल्यप्प्रत्ययान्तं पदं किं न अस्ति?

(1) आनीय (2) प्रदर्श्य (3) विक्रीय (4) श्रुत्वा

अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रश्नानां (129-135) विकल्पात्मक्तेत्तरेभ्य: उचितमं उत्तरं चिनुत।

एष: समुद्रतट:। अत्र जना: पर्यटनाय आगच्छन्ति। केचन तरङ्गै: क्रीडन्ति। केचन च नौकाभि: जलविहारं कुर्वन्ति। तेषु केचन कन्दुकेन क्रीडन्ति। बालिका: बालका: च बालुकाभि: बालुकागृहं रचयन्ति। मध्ये मध्ये तरङ्गा: बालुकागृहं प्रवाहयन्ति। एषा क्रीडा प्रचलति एव। समुद्रतटा: न केवलं पर्यटनस्थानानि। अत्र मत्स्यजीविन: अपि स्वजीविकां चालयन्ति।

अस्माकं देशे बहव: समुद्रतटा: सन्ति। एतेषु मुम्बई-गोवा-कोच्चि-कन्याकुमारी-विशाखापत्तनम्-पुरीतटा: अतीव प्रसिद्धा: सन्ति। गोवातट: विदेशिपर्यटकेभ्य: समधिकं रोचते। विशाखापत्तनम्-तट: वैदेशिकव्यापाराय प्रसिद्ध:। कोच्चितट: नारिकेलफलेभ्य: ज्ञायते। मुम्बईनगरस्य जुहूतटे सर्वे जना: स्वैरं विहरन्ति। चेन्नईनगरस्य मेरीनातट: देशस्य सागरतटेषु दीर्घतम:।

भारतस्य तिसृषु दिशासु समुद्रतटा: सन्ति। अस्माद् एव कारणात् भारतदेश: प्रायद्वीप: इति कथ्यते। पूर्वदिशायां बङ्गोपसागर: दक्षिणदिशायां हिन्दमहासागर: पश्चिमदिशायां च अरबसागर: अस्ति। एतेषां त्रयाणाम् अपि सागराणां सङ्गम: कन्याकुमारीतटे भवति। अत्र पूर्णिमायां चन्द्रोदय: सूर्यास्तं च युगपदेव द्रष्टुं शक्यते।

129. भारते त्रयाणां सागराणां सङ्गम: कुत्र भवति?

(1) हिमालयपर्वते (2) गङ्गाया:तीरे (3) कन्याकुमारी-तटे (4) गुजरातप्रान्ते

130. भारतस्य दक्षिणदिशायां क: सागर: अस्ति?

(1) हिन्दमहासागर: (2) प्रशान्तमहासागर: (3) लालसागर: (4) अरबसागर:

131. समुद्रतटं जना: किमर्थं आगच्छन्ति?

(1) व्यापाराय (2) पर्यटनाय (3) तपश्चर्यायै (4) अध्ययनाय

132. समुद्रतटेषु के स्वजीविकां चालयन्ति ?

(1) मत्स्यजीविन: (2) साधव: (3) व्यापारिगण: (4) नाविका:

133. अधोलिखितयो: तालिकयो: सम्यक् सम्मेलनं कुरुत।

(क)		**(ख)**	
(a)	मुम्बईनगरम्	(i)	वैदेशिकव्यापार:
(b)	विशाखापत्तनम्	(ii)	मेरीनातट:
(c)	चेन्नईनगरम्	(iii)	नारिकेलफलानि
(d)	कोच्चितट:	(iv)	जुहूतट:

(1) (a)-(ii), (b)-(iv), (c)-(i), (d)-(iii) (2) (a)-(iii), (b)-(i), (c)-(iv), (d)-(ii)

(3) (a)-(iv), (b)-(i), (c)-(ii), (d)-(iii) (4) (a)-(i), (b)-(ii), (c)-(iii), (d)-(iv)

134. तरङ्गैः - इत्यस्मिन् पदे का विभक्ति: किं वचनञ्च अस्ति ?

(1) तृतीया, एकवचनम् (2) पञ्चमी, द्विवचनम् (3) तृतीया, बहुवचनम् (4) सप्तमी, बहुवचनम्

135. 'दीर्घतम:' - इत्यस्मिन् पदे क: प्रत्यय: प्रयुक्त: ?

(1) तरप् (2) मतुप् (3) तुमुन् (4) तमप्

136. अधोलिखितेषु किं आकलनविषये सत्यं न अस्ति ?

(1) एतत् छात्रस्य प्रदर्शनस्य (Performance) प्रत्यक्षप्रमाणं प्रस्तौति

(2) एतत् छात्रस्य प्रगते: गतिं आकलयितुं सहायतां करोति

(3) एतत् केवलं अध्यापकेन क्रियते

(4) अनेन छात्रस्य प्रगते: सकलतया अवलोकनं क्रियते

137. कथानां का श्रेणी बहुभाषिकतावादस्य बहुसंस्कृतिवादस्य च संवर्धनाय सर्वाधिक-उपयुक्ता भवति ?

(1) आत्मकथा: (2) वैज्ञानिककल्पनाकथा: (3) दीर्घकथा: (4) लोककथा:

138. स्टीफनक्रेशन महोदयेन अनुवीक्षण-परिकल्पना (Monitor Hypothesis) इति विषये अधोलिखितेषु किं सत्यं न अस्ति ?

(1) इयं अधिग्रहण-अधिगम-सम्बन्धस्योपरि आधारिता वर्तते

(2) यत् अधिग्रहीतं तत् अधिगमस्य अनुवीक्षणे सहायकं भवति

(3) छात्र: अनुवीक्षणं कर्तुं समर्थ: भवेत् यदि तस्य समीपे पर्याप्तसमय: अस्ति, नियमानां पर्याप्तज्ञानं च अस्ति

(4) इयं द्वितीयभाषाधिग्रहणप्रसंगे प्रयुज्यते

139. अधोलिखितेषु किं मूलपाठावबोधनाय शब्दावलिविकासाय च सहायकं न भवति ?

(1) वर्णमाला-चार्ट (Alphabet-charts) (2) विषय-मानचित्राणि

(3) चित्र शब्दकोशाः (4) शब्द-मानचित्राणि (Word-maps)

140. अधोलिखितेषु किं बालकानां साहित्यस्य एका वाञ्छनीयविशेषता न अस्ति ?

(1) स्पष्टनैतिकमूल्यानि (2) अक्षराणां दीर्घाकारः परिचितशब्दाःच

(3) आकर्षकचित्राणि (4) पशु/जीवपात्राणि

141. अधोलिखितेषु कथनेषु आकलनस्य द्वे-प्रमुखप्रकारविषये किं सत्यम् अस्ति ?

(1) योगात्मकाकलनं (Summative assessment) समग्रशैक्षणिकवर्षे आकलनस्य प्रत्येकस्वरूपस्य समग्रता वर्तते

(2) रचनात्मकाकलनं अधिगमस्य सम्पूर्णावस्थायां निरन्तरं क्रियते

(3) योगात्मकाकलनं अधिगमावस्थायाः पूर्वं पश्चात् च क्रियते

(4) रचनात्मकाकलनं अधिगमात् अधिकतरं स्वरूपे केन्द्रितम् अस्ति

142. अधोलिखितेषु किं सम्प्रेषणात्मक-उपागमस्य (Communicative Approach) एका विशेषता न वर्तते ?

(1) भाषायाः प्रकरणात्मकप्रयोगः

(2) अध्यापनस्पष्टतास्थाने व्याकरणनियमानां परिज्ञानम्

(3) सम्प्रेषणात्मकक्षमतायाः विकासः

(4) कार्यात् अधिकतरं स्वरूपे केन्द्रीकरणम्

143. एका अध्यापिका हिन्दी भाषिछात्रान् द्वितीया-भाषारूपेण आङ्ग्लभाषां पाठयति। सा स्पष्टनियमानां कथनं विना, तेभ्यः आङ्ग्लभाषायां लघुवार्तालापाय प्रसङ्गान् अवसरान् च ददाति। सा तेषां समक्षं उदाहरणानि उपस्थापयति, येषां प्रयोगः छात्राः स्ववार्तालापेषु कुर्वन्ति। शनैः शनैः ते अध्यापिकायाः साहाय्येन स्वयमेव नियमान् रचयन्ति। अध्यापिकया कः आदर्शः/उपागमः प्रयुज्यते ?

(1) श्रव्य-भाषिक-विधिः (Audio Lingual) (2) सम्प्रेषणात्मक-उपागमः

(3) प्रत्यक्ष-विधिः (4) व्याकरणानुवाद-विधिः (Method)

144. यदा एकः आरम्भिकपाठकः विशेषपाठ्यविषयवस्तुनः अभिप्रायं ज्ञातुं पाठविषयस्य सांस्कृतिकपक्षाणां च विषये स्वसामान्य-ज्ञानस्य प्रयोगः करोति, एतत् कथ्यते –

(1) 'टॉप-अप' उपागमः (2) 'बॉटम-अप' उपागमः

(3) 'बॉटम-डाउन' उपागमः (4) उर्ध्व-अधोगामी उपागमः (Approach)

145. अधोलिखितेषु किं अधिगमस्य प्रमुखक्षेत्ररूपेण न मन्यते ?

(1) सामाजिक-सांस्कृतिकम् (2) प्रभावशाली

(3) मनोगत्यात्मकम् (Psychomotor) (4) संज्ञानात्मकम् (Cognitive)

146. अधोलिखितेषु किं समावेशीकक्षाया: रचनायां सहायकं न भवति ?

(1) दलकार्याणां प्रदानम् (Team Task)

(2) बहुभाषिकपद्धते: प्रयोग:/अङ्गीकरणम्

(3) कक्षायां कतिपयछात्राणां अनुवीक्षकरूपेण उपस्थिति:

(4) मित्रसमूहअन्तर्क्रिया प्रतिपुष्टि:-व्यवस्था च

147. अधोलिखितेषु किं रचनात्मकाकलनस्य उदाहरणं न अस्ति ?

(1) सत्रान्ते एका सत्रपरीक्षा (Term Test)

(2) व्यापकलिखितपरीक्षाया: काले काले कतिपय-अन्यकार्याणां च संयोजनम् (Combination)

(3) सम्पूर्णसत्रे आद्योपान्तं लघुपरीक्षाभ्य: आरभ्य मित्रपुनरीक्षणपर्यन्तं आकलनपद्धतय:

(4) सम्पूर्णसत्रे मौखिक-लिखित-परीक्षाणां क्रमेण आयोजनं, भूमिकानिर्वहणं इत्यादि:

148. अधिगमे अन्तरालं ज्ञातुं त्रुटिसमीक्षणं महत्वपूर्णं भवति, यतो हि –

(1) त्रुटय: छात्राणां मस्तिष्कान्तरे प्रवेशार्थं तेषां शिक्षणस्थिते: च ज्ञानार्थं भवन्ति

(2) त्रुटय: छात्राणां अवबोधनप्रक्रमे न्यूनतां दर्शयति

(3) त्रुटय: वैचारिकविकासं प्रेरणां च दर्शयति

(4) अधिकतमा: त्रुटय: छात्राणां दोषपूर्ण – प्रवृत्ते: कारणात् भवन्ति

149. p इति वर्णस्य b इति, अथवा 6 इति संख्याया: 9 इति लेखनं पठनं वा एका सामान्यत्रुटि: अस्ति या केन समस्याग्रस्तबालेषु प्राप्यते ?

(1) अफेज़िया (Aphasia) (2) एनोमिया (Anomia)

(3) डिस्लेक्सिया (Dyslexia) (4) स्टटरिंग (Stuttering)

150. आधारभूत-अन्तर्वैयक्तिक-सम्प्रेषणकौशलं कथ्यते :

(1) अमूर्तस्य भाषा (Language of abstraction)

(2) दैनिकसम्प्रेषणाय प्रयुक्तभाषा

(3) अन्तर्भाषा

(4) उच्चतरकोटिभाषाकौशलम्

- o 0 o -

SPACE FOR ROUGH WORK

अवधानपूर्वकम् एते निर्देशाः मनसि धारणीया :

1. विभिन्नप्रश्नानाम् उत्तरं कथं प्रदेयमिति प्रश्नपत्रे व्याख्यातम् अस्ति। प्रश्नानाम् उत्तरलेखनात् पूर्वं तत् अवश्यं पठनीयम्।

2. प्रत्येकं प्रश्नार्थं चत्वारि वैकल्पिकोत्तराणि निर्दिष्टानि, तेषु समुचितोत्तरप्रदानार्थं OMR उत्तरपुस्तिकायाः **पृष्ठे-2** केवलम् एकमेव वृत्तं पूर्णरूपेण **नील (Blue/Black)**-बाल-पाइन्ट-लेखन्या प्रपूरणीयम्। एकवारम् उत्तरांकनादनन्तरं न तत्परिवर्तयितुं शक्यते।

3. परीक्षार्थिभिः OMR उत्तरपत्रं नैव तिर्यक्करणीयम्, न च कथंकारमपि तद् अन्यथाप्रकारेण अङ्कनीयम्। परीक्षार्थी स्वीयानुक्रमाङ्कं OMR उत्तरपत्रे निर्धारितस्थानातिरिक्तम् अन्यत्र कुत्रापि न लिखेत्।

4. परीक्षापुस्तिकायाः OMR उत्तरपत्रकस्य च प्रयोगः सावधानं करणीयः। कस्यामपि परिस्थितौ (केवलं तां परिस्थितिं विहाय यदा परीक्षापुस्तिकायाः उत्तरपत्रस्य च सङ्केतके सङ्ख्यायां वा भिन्नता दृश्यते) द्वितीय-परीक्षापुस्तिका नोपलभ्या एव।

5. परीक्षापुस्तिकायाम् OMR उत्तरपत्रे च प्रदत्त-सङ्केतक-सङ्ख्या परीक्षार्थिभिः उपस्थितिपत्रके सम्यक्रीत्या अवश्यमेव लेखनीया।

6. ओ.एम.आर. (OMR) उत्तरपत्रिकायां कूटस्थ (Coded) सूचनानां पठनं यन्त्रद्वारा भविष्यति। अतः कापि सूचना असम्पूर्णा न स्यात्। तथैव प्रवेशपत्रस्यसूचनातः भिन्ना सूचना न प्रदेया।

7. प्रवेशपत्रं विहाय अन्य-मुद्रित-लिखित-पाठ्यसामग्री कर्गदचिटिकां 'पेजरम्' इति चलदूरभाषां, विद्युत्-उपकरणानि अथवा कामपि अन्यसामग्रीं परीक्षाभवनं कक्षं वा नेतुम् अनुमतिः न अस्ति।

8. परीक्षा गृहे/प्रकोष्ठे मोबाइलयन्त्रं वेतारसूचनायन्त्रं (स्वीच अफ कृत्वा अपि) अन्यानि च प्रतिबन्धितवस्तूनि नैव आनेतव्यानि। एतस्य नियमस्य उल्लङ्घनम् अनुचितमार्गावलम्बनम् इति विधास्यते यस्त कृते दण्डस्य विधानम् अस्ति। परीक्षातः निष्कासनम् अपि भवितुम् अर्हति।

9. निरीक्षणसमये परीक्षार्थिभिः प्रवेशपत्रं निरीक्षकाय अवश्यं दर्शनीयम्।

10. केन्द्र-अधीक्षकस्य निरीक्षकस्य वा अनुमतिं विना परीक्षार्थिभिः स्थानं न परित्यक्तव्यम्।

11. कार्यरतनिरीक्षकाय उत्तरपत्रं दत्त्वा उपस्थितिपत्रके च हस्ताक्षरं पुनः कृत्वा एव परीक्षार्थिभिः परीक्षाभवनं कक्षं वा परित्यक्तव्यम् न अन्यथा। यदि केनापि परीक्षार्थिना उपस्थितिपत्रिकायां पुनः हस्ताक्षरं न क्रियते तर्हि 'परीक्षार्थिना उत्तरपत्रकं न दत्तम्' इति अभिप्रायः। इदम् अनुचितसाधनानां प्रयोगस्य रूपम् इति मन्तव्यम्।

12. वैद्युत-हस्तचालित-परिकलकस्य उपयोगः सर्वथा वर्जितः।

13. परीक्षाभवने कक्षे वा अनुकूलाचरणाय परीक्षार्थिनः सङ्घटनस्य सर्वैः नियमैः विनियमैः वा नियमिताः। अनुचितसाधनानाम् उपयोगेन सम्बद्धाः निर्णयाः सङ्घटनस्य नियम-विनियम-अनुवर्तनीयाः एव।

14. कस्यामपि परिस्थितौ परीक्षापुस्तिकायाः उत्तरपत्रकस्य वा कोऽपि भागः पृथक् न करणीयः।

15. **परीक्षासम्पन्नानन्तरं परीक्षार्थिनः परीक्षाभवन-परित्यजनात् पूर्वं उत्तरपत्रं कक्षनिरीक्षकाय अवश्यमेव प्रदास्यन्ति। परीक्षार्थिनः इमाम् प्रश्नपुस्तिकां नेतुम् अनुमताः।**

निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें :

1. जिस प्रकार से विभिन्न प्रश्नों के उत्तर दिए जाने हैं उसका वर्णन परीक्षा पुस्तिका में किया गया है, जिसे आप प्रश्नों का उत्तर देने से पहले ध्यान से पढ़ लें।
2. प्रत्येक प्रश्न के लिए दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर के लिए OMR उत्तर पत्र के **पृष्ठ-2** पर केवल एक वृत्त को ही पूरी तरह **नीले/काले बॉल पॉइन्ट पेन** से भरें। एक बार उत्तर अंकित करने के बाद उसे बदला नहीं जा सकता है।
3. परीक्षार्थी सुनिश्चित करें कि इस OMR उत्तर पत्र को मोड़ा न जाए एवं उस पर कोई अन्य निशान न लगाएँ। परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक OMR उत्तर-पत्र में निर्धारित स्थान के अतिरिक्त अन्यत्र न लिखें।
4. परीक्षा पुस्तिका एवं OMR उत्तर पत्र का ध्यानपूर्वक प्रयोग करें, क्योंकि किसी भी परिस्थिति में (केवल परीक्षा पुस्तिका एवं OMR उत्तर पत्र के कोड या संख्या में भिन्नता की स्थिति को छोड़कर) दूसरी परीक्षा पुस्तिका उपलब्ध नहीं करायी जाएगी।
5. परीक्षा पुस्तिका/OMR उत्तर पत्र में दिए गए परीक्षा पुस्तिका कोड व संख्या को परीक्षार्थी सही तरीके से उपस्थिति-पत्र में लिखें।
6. OMR उत्तर पत्र में कोडित जानकारी को एक मशीन पढ़ेगी। इसलिए कोई भी सूचना अधूरी न छोड़ें और यह प्रवेश-पत्र में दी गई सूचना से भिन्न नहीं होनी चाहिए।
7. परीक्षार्थी द्वारा परीक्षा हॉल/कक्ष में प्रवेश-पत्र के सिवाय किसी प्रकार की पाठ्य-सामग्री, मुद्रित या हस्तलिखित, कागज़ की पर्चियाँ, पेजर, मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या किसी अन्य प्रकार की सामग्री को ले जाने या उपयोग करने की अनुमति नहीं है।
8. मोबाइल फोन, बेतार संचार युक्तियाँ (स्विच ऑफ अवस्था में भी) और अन्य प्रतिबंधित वस्तुएँ परीक्षा हॉल/कक्ष में नहीं लाई जानी चाहिए। इस सूचना का पालन न होने पर इसे परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग माना जाएगा और परीक्षार्थी विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी, परीक्षा रद्द करने सहित।
9. पूछे जाने पर प्रत्येक परीक्षार्थी, निरीक्षक को अपना प्रवेश-पत्र दिखाएँ।
10. केन्द्र अधीक्षक या निरीक्षक की विशेष अनुमति के बिना कोई परीक्षार्थी अपना स्थान न छोड़ें।
11. कार्यरत निरीक्षक को अपना OMR उत्तर पत्र दिए बिना एवं उपस्थिति-पत्र पर दुबारा हस्ताक्षर किए बिना परीक्षार्थी परीक्षा हॉल/कक्ष नहीं छोड़ेंगे। यदि किसी परीक्षार्थी ने दूसरी बार उपस्थिति-पत्र पर हस्ताक्षर नहीं किए, तो यह माना जाएगा कि उसने OMR उत्तर पत्र नहीं लौटाया है और यह अनुचित साधन का मामला माना जाएगा। **परीक्षार्थी अपने बाएँ हाथ के अंगूठे का निशान उपस्थिति-पत्र में दिए गए स्थान पर अवश्य लगाएँ।**
12. इलेक्ट्रॉनिक/हस्तचालित परिकलक का उपयोग वर्जित है।
13. परीक्षा हॉल/कक्ष में आचरण के लिए परीक्षार्थी परीक्षण संस्था के सभी नियमों एवं विनियमों द्वारा नियमित हैं। अनुचित साधनों के सभी मामलों का फैसला परीक्षण संस्था के नियमों एवं विनियमों के अनुसार होगा।
14. किसी भी परिस्थिति में परीक्षा पुस्तिका और OMR उत्तर पत्र का कोई भाग अलग न करें।
15. **परीक्षा सम्पन्न होने पर, परीक्षार्थी हॉल/कक्ष छोड़ने से पूर्व OMR उत्तर पत्र निरीक्षक को अवश्य सौंप दें। *परीक्षार्थी अपने साथ इस परीक्षा पुस्तिका को ले जा सकते हैं।***

READ THE FOLLOWING INSTRUCTIONS CAREFULLY :

1. The manner in which the different questions are to be answered has been explained in the Test Booklet which you should read carefully before actually answering the questions.
2. Out of the four alternatives for each question, only one circle for the correct answer is to be darkened completely with **Blue / Black Ball Point Pen** on **Side-2** of the OMR Answer Sheet. The answer once marked is not liable to be changed.
3. The candidates should ensure that the OMR Answer Sheet is not folded. Do not make any stray marks on the OMR Answer Sheet. Do not write your Roll No. anywhere else except in the specified space in the OMR Answer Sheet.
4. Handle the Test Booklet and OMR Answer Sheet with care, as under no circumstances (except for discrepancy in Test Booklet Code or Number and OMR Answer Sheet Code or Number), another set will be provided.
5. The candidates will write the correct Test Booklet Code and Number as given in the Test Booklet/OMR Answer Sheet in the Attendance Sheet.
6. A machine will read the coded information in the OMR Answer Sheet. Hence, no information should be left incomplete and it should not be different from the information given in the Admit Card.
7. Candidates are not allowed to carry any textual material, printed or written, bits of papers, pager, mobile phone, electronic device or any other material except the Admit Card inside the examination hall/room.
8. Mobile phones, wireless communication devices (even in switched off mode) and the other banned items should not be brought in the examination halls/rooms. Failing to comply with this instruction, it will be considered as using unfair means in the examination and action will be taken against the candidate including cancellation of examination.
9. Each candidate must show on demand his/her Admit Card to the Invigilator.
10. No candidate, without special permission of the Centre Superintendent or Invigilator, should leave his/her seat.
11. The candidates should not leave the Examination Hall/Room without handing over their OMR Answer Sheet to the Invigilator on duty and sign the Attendance Sheet twice. Cases where candidate has not signed the Attendance Sheet second time will be deemed not to have handed over the OMR Answer Sheet and dealt with as an unfair means case. **The candidates are also required to put their left hand THUMB impression in the space provided in the Attendance Sheet.**
12. Use of Electronic/Manual Calculator is prohibited.
13. The candidates are governed by all Rules and Regulations of the Examining Body with regard to their conduct in the Examination Hall/Room. All cases of unfair means will be dealt with as per Rules and Regulations of the Examining Body.
14. No part of the Test Booklet and OMR Answer Sheet shall be detached under any circumstances.
15. **On completion of the test, the candidate must hand over the OMR Answer Sheet to the Invigilator in the Hall / Room. *The candidates are allowed to take away this Test Booklet with them.***